सिडनी टेस्ट से बाहर होने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं कही नहीं जा रहा हूं। इन सभी चर्चाओं के बीच रोहित शर्मा ने टीम से बाहर होने को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

- रोहित शर्मा

भारतीय खिलाड़ी, भारत को लेकर मैंने चुप्पी तोड़ी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **युजवेंद्र चहल**

भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा एक-दूसरे से अलग होने जा रहे हैं। दोनों के बीच करीबी सूत्र के मुताबिक इस कपल के अलग होने की खबरें बिल्कुल सच हैं। इनके बीच होने वाले तलाक को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन सूत्र का कहना है कि ये तय है कि सारी प्रक्रिया पूरी होने में कुछ वक्त लगेगा। तलाक की बात पूरी तरह से सच है और इसे आधिकारिक होने में अब बस कुछ ही समय शेष है। उनके अलग होने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन ये साफ है कि इस जोड़े ने अलग-अलग अपनी जिंदगी जीने का फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा 463 मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया हुआ है। दुनिया में अभी तक कोई भी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के इस महारिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाया है।

लीजेंड 90 लीग : हरियाणा ग्लेडियेटर्स में शामिल हुए भज्जी

नई दिल्ली, 4 जनवरी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडियेटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय मैच खेल चुके हरभजन के टीम में

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को शामिल किया गया है। हरियाणा ग्लेडियेटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है। शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि, हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है। लीग में सात फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है।

आसान नहीं है सिडनी का पिच, मैच पूरी तरह खुला है : कृष्णा

सिडनी, 4 जनवरी। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का मानना है कि सिडनी की असामान्य उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी करना

आसान नहीं है और मैच अभी पूरी तरह खुला हुआ है। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में भारत ने शनिवार को मेजबान टीम के खिलाफ न सिर्फ पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल की बल्कि दूसरी पारी में रिषभ पंत (61) की धुआंधार पारी की मदद से अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बना लिये। इस तरह भारत की कुल बढ़त अब 145 रन की हो चुकी है मगर रनो के लिहाज से अभी भी भारत को काफी बल्लेबाजी करनी होगी। इसके बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा भारत की अब तक मिली बढ़त को चुनौतीपूर्ण मानते है। दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होने कहा कि सिडनी में पिच से मिल रही असामान्य उछाल में बल्लेबाजी करना चुनौती भरा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। उन्होने कहा पिच के कुछ हिस्सों से गेंद को परखना मुश्किल हो रहा है। गेंद कभी-कभी नीचे रह रही है। हमारे पास मैच में बने रहने का पूरा मौका है। हमें पर्याप्त उछाल हासिल कर बल्लेबाज को बल्ले की दोनों ओर से छकाना होगा और किनारा लगने पर कैच लपकने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा हमने फिलहाल जीतने लायक रन के लिये कोई विशेष संख्या तय नहीं की है मगर रविवार को बनने वाला हर रन हमारी जीत की भूमिका तय करेगा।

सिडनी टेस्ट में भारत का पलटवार, मिली चार रन की बढ़त

सिडनी, 4 जनवरी। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत ने पलटवार करते हुये आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 181 रनों पर समेट कर चार रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाये थे। चायकाल से ठीक पहले आस्ट्रेलिया की पारी समाप्त हो गयी। सीरीज में पहली बार खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 42 रन देकर तीन विकेट चटकाये जबकि मो सिराज ने 51 रन खर्च कर तीन विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराह और नीतीश कुमार रेड्डी को दो दो विकेट मिले। चार रन की लीड मिलने के बावजूद जसप्रीत बुमराह की फिटनेस ने भारत को चिंता में डाल दिया है। आज के सत्र की शुरुआत में सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह मैदान से बाहर चले गए और बाद में उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल जाते देखा गया, जिससे बाकी मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदेह में पड़ गई है।

भारतीय गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दबाव के कारण संघर्ष की स्थिति में रहे। विशेषकर लंच के बाद भारतीय गेंदबाजों ने अपनी स्विंग और रफ्तार से आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया। पारी के 51वें ओवर में आखिरी खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड को आउट करने में उनकी रफ्तार काबिल ए तारीफ थी। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से सबको आकर्षित किया। रेड्डी ने मिचेल स्टार्क को 1 रन पर और पैट कमिंस को 10 रन पर आउट किया। दोनों स्लिप में कैच आउट हुए।

विकेटों की झड़ी के बावजूद, नवोदित ब्यू वेबस्टर (57) और एलेक्स कैरी (21) ने मजबूत इरादों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। वेबस्टर ने अद्भुत संयम दिखाया और 105 गेंदों में पांच चौकों सहित 57 रन बनाए। उन्होने रेड्डी की गेंद पर शॉट लगा कर पहले ही टेस्ट मैच में पचास रन पूरे किये।

दूसरी छोर पर कैरी ने कई आत्मविश्वास भरे स्ट्रोक खेले और दो बार ऑफ साइड से बाउंड्री लगाई। इससे पहले, भारत ने खेल पर मजबूत पकड़ के साथ शुरुआत की थी। सुबह जसप्रित बुमरा ने मार्नस लाबुशेन को सिर्फ दो रन पर आउट कर पहली सफलता दिलाई थी। सिराज ने शानदार डबल स्ट्राइक के साथ सैम कोन्स्टास और ट्रैविस हेड दोनों को तुरंत आउट कर दिया। भारत को अब दूसरी पारी में खराब होती पिच पर संयम से खेलते हुये मेजबान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना होगा।

बुमराह की पीठ में खिंचाव

सिडनी, 4 जनवरी। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने मौजूदा सीरीज के दौरान पीठ में ऐंठन का अनुभव होने के बाद जसप्रीत बुमराह की स्थिति के बारे में जानकारी दी है। कृष्णा ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बुमराह कड़ी चिकित्सा निगरानी में हैं।

उन्होने कहा कि बुमराह को पीठ में ऐंठन का अनुभव हुआ और स्कैन कराया गया। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, और अपडेट देने के बाद हमें स्थिति का पता चलेगा। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में भारत के कार्यवाहक कप्तान बुमराह मेडिकल स्कैन के लिए आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) से चले गए। हालाँकि बाद में वह स्टेडियम में लौट आए और ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों के साथ फिर से शामिल हो गए हैं। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज को सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन लंच के बाद के सत्र के दौरान असहजता का अनुभव होने के बाद मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तत्काल चिकित्सा सहायता मांगने के बाद, बुमराह को मैदान से बाहर निकलते देखा गया। बाद में रिपोर्टों से पुष्टि हुई कि चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए उनका स्कैन कराया गया।

जाने से पहले बुमराह ने आज आठ ओवर फेंके थे, जिसमें उन्होने मार्नस लाबुस्चगने का विकेट लिया। चोट लगने से पहले उन्होंने श्रृंखला के पांच टेस्ट मैचों में कुल 151.2 ओवर फेंके थे, जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस (152 ओवर) के बाद दूसरे स्थान पर थे। उनके अत्यधिक इस्तेमाल ने जोखिम के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। तेज गेंदबाज पूरी श्रृंखला में जबरदस्त फॉर्म में रहे, उन्होंने 13.06 की शानदार औसत से 32 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने के हरभजन सिंह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

संन्यास पर भी बोले रोहित

सिडनी, 4 जनवरी। मैच से हटने के साथ ही रोहित शर्मा के संन्यास की चर्चा भी तेजी से होने लगी थी। रोहित ने अपने संन्यास के बारे में भी स्पष्ट किया। उनके आराम करने के फैसले के बाद सुनील गावस्कर ने कहा कि यह रोहित शर्मा का टेस्ट में आखिरी टेस्ट हो सकता है यहां तक कि रवि शास्त्री ने भी इसी तरह की राय दी। हालांकि, रोहित ने पुष्टि की है कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं इस बात पर विश्वास नहीं करता कि पांच महीने बाद क्या होगा। मैं वर्तमान पर ध्यान देना चाहता हूं। यह फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। मैं खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन, इस मैच के लिए मैं बाहर हूं क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा हूं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि पांच महीने बाद मैं रन नहीं बना पाऊंगा। हर दिन जिंदगी बदलती है। मुझे खुद पर विश्वास है।''

रोहित शर्मा ने कहा कि मैंने यह खेल इतने लंबे समय तक खेला है। कोई भी बाहरी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि मुझे कब जाना चाहिए, कब बाहर बैठना चाहिए या टीम का नेतृत्व करना चाहिए। मैं समझदार हूँ, परिपक्व हूँ, दो बच्चों का पिता हूँ। मैं जानता हूँ कि मुझे जीवन में क्या चाहिए।''

सैकिया का सचिव और प्रभतेज का कोषाध्यक्ष चुना जाना तय

मुंबई, 4 जनवरी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के अंतरिम सचिव के तौर पर काम कर रहे देवजीत सैकिया ने शनिवार को सचिव पद के लिए और प्रभतेज भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। दोनो के ही निर्विरोध चुने जाने की पूरी उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का चेयरमैन चुने जाने के बाद सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं वहीं आशीष शेलार के महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद रिक्त कोषाध्यक्ष पद के लिये छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज ने नामांकन किया है। बीसीसीआई के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार शनिवार शाम चार बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकते थे जिसमें सैकिया और प्रभतेज ने ही अपना नामांकन दाखिल किया है और दोनो का ही निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

सैम कॉन्स्टास के खिलाफ भारतीयों का रवैये पसंद नहीं आया : मैकडॉनल्ड

सिडनी, 4 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि सैम कॉन्स्टास के खिलाफ वह भारतीय खिलाड़ियों के रवैये को पसंद नहीं करते हैं। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के आखिरी क्षणों में कॉन्स्टास और भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के बीच बहस हो गई थी। इस बहस के दो गेंदों के बाद बुमराह ने ख़्वाजा को दिन की आखिरी गेंद पर आउट कर दिया था।

विकेट लेने के बाद बुमराह दौड़ कर कॉन्स्टास के पास गये और उन्हे घूरा जिसके बाद टीम के अन्य सदस्यों ने जश्न मनाया। मैकडॉनल्ड ने कहा, जिस तरह भारत ने उस विकेट का जश्न मनाया वह काफ़ी डराने वाला था। हालांकि यह खेल के नियमों के दायरे में था। यहां कोई आरोप नहीं लगाया

जा रहा है, लेकिन विपक्षी टीम का नॉन-स्ट्राइकर के चारों ओर इस तरह जमा होना शायद ठीक नहीं था। बल्लेबाज की मानसिक स्थिति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि वह मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सके।

उन्होने कहा, यह नियमों के दायरे में था, क्योंकि उसके लिए कोई जुर्माना या सज़ा नहीं दी गई। इसलिए मैं इसे आईसीसी, एंडी पाइक्रॉफ्ट (मैच रेफ़री) और मैदान पर मौजूद अंपायरों पर छोड़ता हूं। अगर उन्हें यह संतोषजनक लगा तो ठीक है। इसके बाद वह मोहम्मद सिराज की गेंद पर स्लिप में कैच आउट हो गए। जब कॉन्स्टास का विकेट गिरा तो बुमराह मिड-ऑन पर फ़ील्डिंग कर रहे थे, विकेट गिरने के बाद तुरंत भारतीय खिलाड़ियों के समूह की ओर नहीं गए और इसके बजाय कॉन्स्टास की दिशा में चलते हुए दिखे। दिन के खेल की समाप्ति पर प्रेस कांफ्रेंस ने भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा हमें उनके खेलने के तरीके.में मज़ा आता है और हम भी आक्रामक तरीक़े से खेलना पसंद करते हैं। अगर हमारे सामने कोई कहता है कि मैं तुम्हारा सामना कर सकता हूं, तो एक टीम के रूप में हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम यहां हैं और हमें हल्के में मत लो। तुम्हारे ख़िलाफ़ हम सभी 11 खिलाड़ी एकसाथ हैं। अगर तुम भी उतने ही आक्रामक हो सकते हो, तो ठीक है।

राजधानी

कांग्रेस ने अव्यवहारिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था : मदन राठौड़

कांग्रेस ने अंग्रेजी स्कूलों के नाम पर लूट-पाट के दरवाजे खोले : मदन दिलावर

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर बनाई गई समीक्षा कमेटी पर गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा क्षेत्र में अप्रासांगिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था, लेकिन भाजपा सरकार कांग्रेस की ऐसी व्यवस्था की जांच करवाकर हमारे बच्चों का बेस तैयार करने का काम करेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में केवल वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दी। लेकिन इन स्कूलों में ना तो इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की और ना ही अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति की। कांग्रेस ने दूर दराज के गांवों में चल रही हिंदी मीडियम स्कूलों को बंद कर अंग्रेजी में कर दिया जो कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था। कांग्रेस ने हिंदी माध्यम के बच्चों तक के भविष्य की चिंता नहीं की।

मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को हमारे बच्चों की चिंता होती तो स्कूलों में बच्चों का आधार मजबूत करने का काम करती और पहली कक्षा से अंग्रेजी का बेस मजबूत करती। अंग्रेजी अध्ययन के लिए ग्रामर और शब्दावली की आवश्यकता होती है लेकिन कांग्रेस ने बच्चों का ग्राउंड तैयार नहीं किया, बिना बेस के बच्चे सीधे हिंदी माध्यम विद्यालयों को

> ■ **'कांग्रेस ने ना तो इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया, ना ही शिक्षकों की नियुक्ति की, वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दिए'**

अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया। ऐसे में हिंदी माध्यम में पढ़ने वाला बच्चा जब अंग्रेजी पुस्तके अध्ययन नहीं कर पाएगा तो निराश ही होगा। हिंदी मीडियम स्कूल को बंद करना कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने बिना चिंतन-मनन किए आनन-फानन में ऐसा फैसला कर दिया जो पूर्णतया अप्रासांगिक था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसे परिस्थिति को देखते हुए समीक्षा कमेटी का गठन किया है। कमेटी में यह तय किया जाएगा कि बच्चों का ग्राउंड कैसे मजबूत किया जाए और इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य व्यवस्थाएं कैसे मजबूत की जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने महज एक साल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। भाजपा सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों में छात्राओं के प्रवेश के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित की, 37 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, 12 महाविद्यालयों को यूजी से पीजी में क्रमोन्नयन किया। सरकार ने 89 हजार विद्यार्थियों को टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन वितरित किए, 8.51 लाख साइकिल वितरित की, एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 514 करोड़ रूपए व्यय किए। इससे 2 लाख 50 हजार 415 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

वहीं दूसरी ओर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा पहले ये बताएं कि अंग्रेजी स्कूल कांग्रेस ने खोले थे क्या। कांग्रेस से बड़ा झूठ कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार ने हिन्दी माध्यम स्कूलों के ऊपर केवल अंग्रेजी माध्यम के बोर्ड लटकाएं थे। उसमें ना कोई अंग्रेजी माध्यम के टीचर थे, ना कोई वहां भवन था और ना कोई परिसर थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल लूट-पाट का दरवाजा खोला था। कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी स्कूलों में अध्यापक दिए ही नहीं। हिन्दी वाले अंग्रेजी नहीं पढ़ा पाएं एवं हिन्दी वाले स्कूल इसलिए पिछड़ गए कि उनके पास अध्यापक नहीं थे, तो इससे अंग्रेजी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ और हिन्दी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ। इस अन्याय के लिए भगवान कांग्रेस को किसी भी तरह से माफ नहीं करेंगा। उन्होंने कहा कि डोटासरा आजकल अपने परिवार वाले की वजह से बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि पहले रोज जो चोरी का पैसा लाते थे वो अब नहीं मिल पा रहा है और इसी कारण से उछल-कूद कर रहे हैं। डोटासरा की स्थिति बिना पानी के तड़पती हुई मछली के जैसी है।

'अंग्रेजी स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं करेंगे'

जयपुर। कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश में खोले गये 3737 महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल की समीक्षा के लिये मंत्रिमण्डलीय समिति क्यों गठित की गई, सालभर तक सरकार क्यों सोती रही, इसका जवाब प्रदेश की जनता मांग रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में 3737 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल चल रहे हैं और इस वर्ष 677000 से अधिक छात्र-छात्रायें प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले अधिक है। इन सभी छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा नि:शुल्क मिल रही है और पिछले सत्र में इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 709270 से थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में इन स्कूलों के लिये 45300 पद स्वीकृत किये गये थे, अलग से अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षकों का कैडर बनाया गया था तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा दस हजार नई भर्तियां भी की गई थी एवं इन्टव्यू व परीक्षा लेकर इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षक लगाने का कार्य किया था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा शासन में पिछले एक वर्ष से इन स्कूलों में 17192 पद रिक्त हैं, इनमें शिक्षकों के 13552 तथा क्लेरिकल स्टॉफ के 3440 पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के लिये मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री ने एक भी भर्ती नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने परीक्षा करवाकर भर्ती करने का केवल स्वांग किया।

उन्होंने कहा कि समीक्षा के लिये गठित कमेटी का संयोजक उप मुख्यमंत्री को बनाया गया है, पूर्व में भी यह जिलों की समीक्षा हेतु गठित कमेटी में थे, किन्तु समीक्षा कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही इन्हें उस कमेटी से हटा दिया गया था और इन्हीं का जिला निरस्त हो गया। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री को वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा के लिये गठित कमेटी से बीच में ही हटना पड़ेगा क्योंकि इनके विधानसभा क्षेत्र में 59 अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

चिकित्सा मंत्री ने की जनसुनवाई

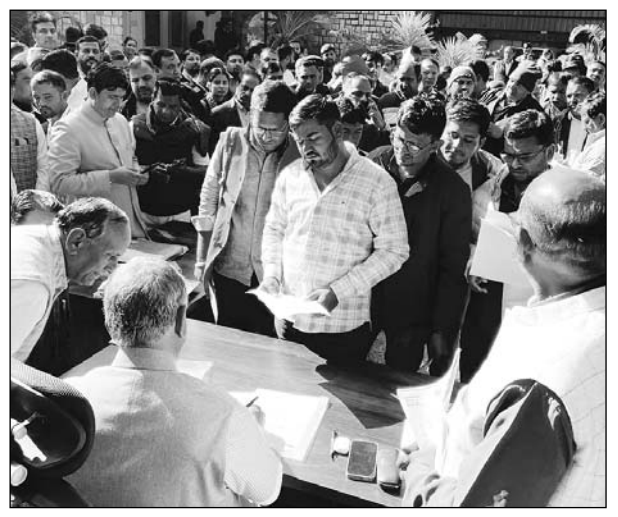

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं।

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं और इनका तत्काल प्रभाव से यथोचित निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से आत्मीयता के साथ मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के संबंध आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनकल्याणकारी सोच के साथ एक से बढ़कर एक निर्णय ले रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि आमजन का जीवन स्तर बेहतर हो और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण कर राहत पहुंचाई जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। विगत अल्प समय में ही गांव-ढाणी तक चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। करीब 21 हजार पदों पर विभाग में नियुक्तियां दी गई हैं और शेष रिक्त पदों के लिए भी संकल्पबद्ध होकर कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों तक भी आमजन सुगमता के साथ जांच और उपचार प्राप्त कर सकें। लोगों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच इन शिविरों के माध्यम से की जा रही हैं और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया जा रहा है। खींवसर ने जनसुनवाई के दौरान समस्याएं सुनने के साथ ही आमजन से अपील की कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लें और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करने के पवित्र उद्देश्य में सहभागी बनें।

आमजन के सुझावों से तैयार होगा विकासोन्मुखी और जनहितैषी बजट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को केन्द्र बिन्दु मानकर आगामी बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। इसी दिशा में आम नागरिक, युवा, महिला, किसान, श्रमिक, उद्यमी, गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगामी बजट पर सुझाव भी लिए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से 22 जनवरी तक विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित होने वाली बजट पूर्व बैठकों में चर्चा करेंगे। 16 जनवरी को कर्मचारी संघों, 17 जनवरी को

> ■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से हितधारकों के साथ करेंगे बजट पूर्व चर्चा**

चिकित्सा क्षेत्र तथा जनजातीय क्षेत्र, 20 जनवरी को उद्योग एवं सेवा तथा कर सलाहकारों, व्यापार व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बजट पर सुझाव हेतु चर्चा की जाएगी। इसी प्रकार 21 जनवरी को युवा व खेल क्षेत्र तथा महिला प्रतिनिधियों व प्रतिभाशाली छात्र, 22 जनवरी को किसान, पशुपालक व डेयरी संगठनों तथा एनजीओ व उपभोक्ता फोरम आदि से भी सुझाव लिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि आगामी बजट हेतु वित्त विभाग की वेबसाइट पर 10 जनवरी तक सुझाव ऑनलाइन दर्ज किए जा रहे हैं। अब तक हितधारकों एवं विभिन्न वर्गों द्वारा 75 हजार सुझाव प्राप्त हो चुके हैं।